तथा छुट्टी के दिनों में लदान के लिए वैगनें न प्रस्तुत करें। अपरिहार्य हालातों में ही रविवार के दिनों में यंत्रीकृत लोडर तैनात किया जाता है।

कोयले की गुणवत्ता में सुधार और उसके लागत मूल्य में कमी

1783 **श्री राम जेठमलानी :**

श्री वीरेन जे० शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ऐसी आशंकायें व्यक्त की जा रही है कि कोयले के आयात पर सीमा शुल्क कम करने के संबंध में सरकार के हाल के निर्णय से देश का कोयला उद्योग प्रभावित हो सकता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता और मूल्य आयतित कोयले की तुलना में संतोषजनक नहीं है ; और

(ग) सरकार देश में उत्पादित कोयले की गुणवत्ता को सुधारने तथा कोयले कोलागत मूल्य को कम करने के संबंध में कोई कार्य योजना बनाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) तमिलनाडु और कर्नाटक को वित्त मंत्रालय द्वारा 2 मिलियन टन और 1 मिलियन टन कोयला घटी हुई सीमा शुल्क की दरों पर उनके तापीय विद्युत गृहों हेतु केवल एक बार आयात करने की स्वीकृति दी है। कोयले के आयात पर सीमा-शुल्क में सामान्यतः कोयले की कोई कमी नहीं पाई गई है।

(ख) भारत पर्याप्त मात्रा में अकोककर कोयला विद्युत तथा उद्योग की घरेलू मागों को पूरा करने के लिए उत्पादन करता है। केवल कोककर कोयला जिसमें राख की मात्रा निम्न हो, वह देश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। अधिकांश तापीय विद्युत गृह और अन्य कोयला उपभोग उपकरणों को देश में घरेलू कोयले का प्रयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारतीय कोयला विश्व में तापीय क्षमता के रूप में सबसे सस्ता है। यदि उपभोक्ता उपलब्ध कोयले की गुणवत्ता को सुधारना चाहें तो यह उपयुक्त परिष्करण के जरिए किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को इस परिष्करण की लागत अदा करनी होगी। निजी पार्टियों द्वारा कोयले के परिष्करण की अनुमति दिए जाने के लिए एक विधेयक भी हाल ही में पारित किया गया है।

(ग) कोयला कम्पनियों ने आपूर्ति की गुणवत्ता को सुधारने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिसमें निम्न कदम शामिल हैं :

(1) चुनिंदा खनन, चुनिंदा ब्लास्टिंग और बैचों का अनुरक्षण।

(2) बाहरी तत्वों जैसे पत्थर इत्यादि का पृथककरण और हटाया जाना।

(3) कोयला रखरखाव संयंत्रों, फीडर ब्रेकर, क्रेशर इत्यादि के पत्थरों को उठाने/हटाने के लिए स्थापित करना और कोयले को उचित स्थानों में रखना।

कोयले की उत्पादन लागत को नीचे लाए जाने के लिए उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों को नीचे दर्शाया गया है :–

(1) सुधारीकृत श्रम शक्ति आयोजन, जिसमें आधिक्य कामगारों की पुनः तैनाती और प्राकृतिक आपदाओं से

उत्पन्न रिक्तियों के एवज में नए कर्मचारियों की भर्ती पर प्रतिबंध।

(2) श्रमशक्ति-सेवानिवृत्ति योजना के जरिए श्रम शक्ति में की वृद्धि पर नियंत्रण।

(3) प्रयोगात्मक "सभी व्यक्ति-सभी को राजगार" की अवधारणा को प्रयोगात्मक आधार पर लागू किया जा रहा है।

(4) उत्पादन और उत्पादकता में वृदि, जिसमें भूमिगत खानों के उत्पादन पर विशेष बल दिया जाना।

(5) पर्याप्त कामगार समर्थन इत्यादि उपलब्ध कराके उपकरणों की उपलब्धता और उपयोगिता में सुधार।

कोयला परियोजनाओं के लिये विद्युत आपूर्ति

1784 **श्री ईश दत्त यादव :**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान विभिन्न कोयला परियोजनाओं के संबंध में विद्युत की मांग कितनी थी और वास्तव में कितनी आपूर्ति की गई है; और

(ख) कोयला परियोजनाओं के लिए पर्याप्त विद्युत की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए उनके मंत्रालय द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोल इंडिया लि० ने सूचित किया है कि उसकी सभी सहायक कंपनियों की सम्पूर्ण विद्युत की आवश्यकताएं केवल ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (ई०को०लि०), भारत कोकिंग कोल लि० (भा०को०को०लि०) और सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि० (से०को० लि०) को छोड़कर, पूरी की जा रही है। ई०को०लि०, भा०को०को०लि० और से०को०लि० के संबंध में वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान विद्युत की मांग और वास्तविक आपूर्ति का विवरण नीचे दिया गया है:

सहायक कंपनी का नाम	1991-92		1992-93	
	एम०वी०ए० में मांग	एम०वी०ए० में आपूर्ति	एम०वी०ए० में मांग	एम०वी०ए० में आपूर्ति
ई०को०लि०	120	97.6	120	93.9
भा०को०को०लि०	261	192.6	261	186.8
से०को०लि०	128.5	109.6	128.5	106.3

(ख) विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को नीचे दर्शाया गया है :–

(1) फीडरों का पृकीकरण, जिससे कि डी०वी०सी० स्रोतों से सीधी विद्युत आपूर्ति प्राप्त की जा सके, की कार्रवाई शुरू की है। इस संबंध में से०को०लि० में 80% फीडर को पहले ही पृथक कर लिया गया है। भारत कोकिंग कोल लि० के मामले में 60% फीडरों को पृथक कर लिया गया है। वर्ष 1994-95 तक सभी फीडरों को पृथक करने की कार्रवाई योजना तैयार करली गई है। इसके फलस्वरूप पृथक किए गए फीडरों में विद्युत की आपूर्ति में सुधार आया है।